RNI No. DDHIN/2021/81605 | संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड़ में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक | DARE TO SHARE

सुविचार

"सत्य का मार्ग जितना कठिन है, यह मार्ग उतना ही सरल भी है।"

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

सूचना

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र 'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट एवं अपने आस-पास की घटनाओं को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें- 9898109815/8000360011

मालिक / प्रकाशक : संध्या चौहान || संपादक : मनोज रावल || उप–संपादक : तुषार चौहान || वर्ष 4 || अंक : 37 || दमण गुरुवार, 10 अप्रैल 2025 || पृष्ठ 4 || मूल्य 4 रूपये || Email : dare.media24x7@gmail.com

5 साल से सरकारी भर्ती ठप: क्या दानह प्रशासन युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रहा है?

एलडीसी भर्ती 2019 पर धूल जम गई, बेरोजगारों की आंखों में आंसू और सिस्टम चुप है

सिलवासा | डेयर टू शेयर (रिपोर्ट)

दादरा नगर हवेली और दमन-दीव में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया का जो हाल है, वह किसी मज़ाक से कम नहीं। 2019 में निकली लोअर डिवीजन क्लर्क (LDC) की भर्ती आज तक अधूरी है – न परीक्षा हुई, न इंटरव्यू, न नियुक्ति। 5 साल से युवा इंतजार कर रहे हैं और प्रशासन पूरी तरह से खामोश है।

क्या यही है "गुड गवर्नेंस"?

11 दिसंबर 2019 को दानह में 34 पदों और 24 जनवरी 2020 को दमन-दीव में 46 पदों के लिए अधिसूचना जारी हुई थी। लेकिन न कोई परीक्षा हुई और न ही कोई जानकारी दी गई कि भर्ती रुकी क्यों है।

भर्ती नहीं, धोखा निकली अधिसूचना?

हज़ारों युवाओं ने फीस भरी, तैयारी की, और अपने भविष्य की उम्मीदें इस भर्ती से जोड़ीं। लेकिन आज तक कोई एक्शन नहीं, जिससे साफ है कि प्रशासन की नज़र में बेरोजगारों की कोई अहमियत नहीं है।

उम्र निकल गई, सिस्टम हिला नहीं

कई उम्मीदवार अब आयुसीमा पार कर चुके हैं – यानी अब उनके पास दोबारा मौका नहीं। यह सिर्फ देरी नहीं, सपनों की हत्या है। युवाओं का गुस्सा अब खुलकर सामने आ रहा है, लेकिन सरकार कान में तेल डाले बैठी है।

जॉब फेयर का दिखावा, भर्ती का सन्नाटा

प्रशासन जॉब फेयर के नाम पर अपनी पीठ थपथपा रहा है, लेकिन पुरानी भर्तियां अधूरी छोड़ देना इस बात का सबूत है कि यह सिस्टम सिर्फ प्रचार का भूखा है, समाधान का नहीं।

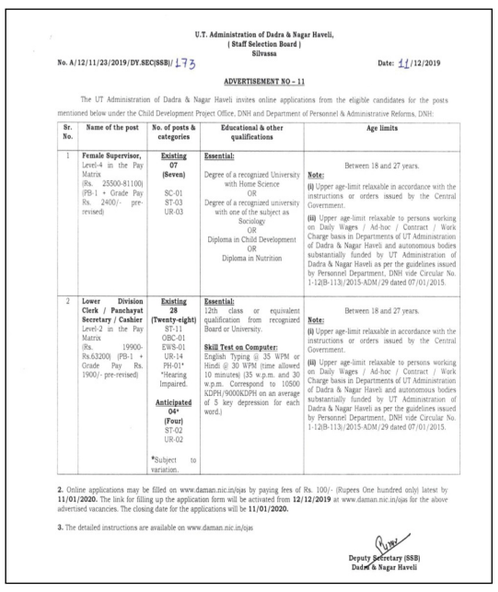

U.T. Administration of Dadra & Nagar Haveli,
(Staff Selection Board)
Silvassa

No. A/12/11/23/2019/DY.SEC(SSB)/ 173 Date: 11/12/2019

ADVERTISEMENT NO – 11

The UT Administration of Dadra & Nagar Haveli invites online applications from the eligible candidates for the posts mentioned below under the Child Development Project Office, DNH and Department of Personnel & Administrative Reforms, DNH:

Sr. No.	Name of the post	No. of posts & categories	Educational & other qualifications	Age limits
1	Female Supervisor, Level-4 in the Pay Matrix (Rs. 25500-81100) (PB-1 + Grade Pay Rs. 2400/- pre-revised)	Existing 07 (Seven) SC-01 ST-03 UR-03	Essential: Degree of a recognized University with Home Science OR Degree of a recognized university with one of the subject as Sociology OR Diploma in Child Development OR Diploma in Nutrition	Between 18 and 27 years. Note: (i) Upper age-limit relaxable in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government. (ii) Upper age-limit relaxable to persons working on Daily Wages / Ad-hoc / Contract / Work Charge basis in Departments of UT Administration of Dadra & Nagar Haveli and autonomous bodies substantially funded by UT Administration of Dadra & Nagar Haveli as per the guidelines issued by Personnel Department, DNH vide Circular No. 1-12(B-113)/2015-ADM/29 dated 07/01/2015.
2	Lower Division Clerk / Panchayat Secretary / Cashier Level-2 in the Pay Matrix (Rs. 19900-Rs.63200) (PB-1 + Grade Pay Rs. 1900/- pre-revised)	Existing 28 (Twenty-eight) ST-11 OBC-01 EWS-01 UR-14 PH-01* *Hearing Impaired. Anticipated 04* (Four) ST-02 UR-02 *Subject to variation.	Essential: 12th class or equivalent qualification from recognized Board or University. Skill Test on Computer: English Typing @ 35 WPM or Hindi @ 30 WPM (time allowed 10 minutes) (35 w.p.m. and 30 w.p.m. Correspond to 10500 KDPH/9000KDPH on an average of 5 key depression for each word.)	Between 18 and 27 years. Note: (i) Upper age-limit relaxable in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government. (ii) Upper age-limit relaxable to persons working on Daily Wages / Ad-hoc / Contract / Work Charge basis in Departments of UT Administration of Dadra & Nagar Haveli and autonomous bodies substantially funded by UT Administration of Dadra & Nagar Haveli as per the guidelines issued by Personnel Department, DNH vide Circular No. 1-12(B-113)/2015-ADM/29 dated 07/01/2015.

2. Online applications may be filled on www.daman.nic.in/ojas by paying fees of Rs. 100/- (Rupees One hundred only) latest by 11/01/2020. The link for filling up the application form will be activated from 12/12/2019 at www.daman.nic.in/ojas for the above advertised vacancies. The closing date for the applications will be 11/01/2020.

3. The detailed instructions are available on www.daman.nic.in/ojas

Deputy Secretary (SSB)
Dadra & Nagar Haveli

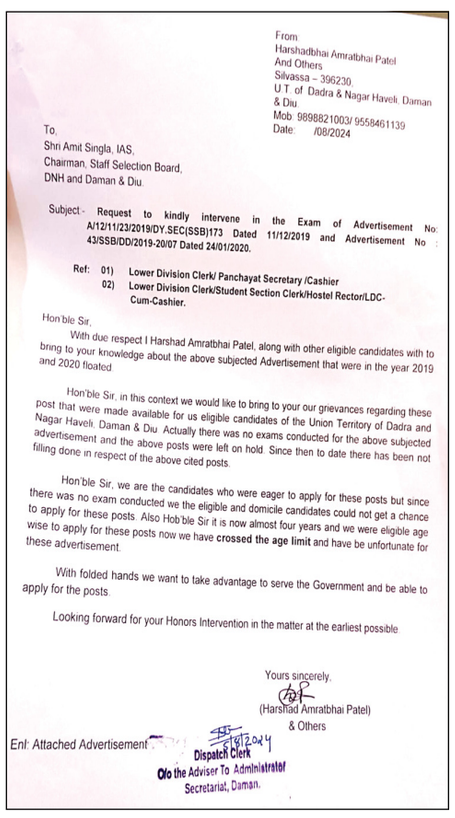

From
Harshadbhai Amratbhai Patel
And Others
Silvassa – 396230,
U.T. of Dadra & Nagar Haveli, Daman & Diu
Mob: 9898821003/ 9558461139
Date: /08/2024

To,
Shri Amit Singla, IAS,
Chairman, Staff Selection Board,
DNH and Daman & Diu.

Subject:- Request to kindly intervene in the Exam of Advertisement No: A/12/11/23/2019/DY.SEC(SSB)173 Dated 11/12/2019 and Advertisement No : 43/SSB/DD/2019-20/07 Dated 24/01/2020.

Ref: 01) Lower Division Clerk/ Panchayat Secretary /Cashier
02) Lower Division Clerk/Student Section Clerk/Hostel Rector/LDC-Cum-Cashier.

Hon'ble Sir,

With due respect I Harshad Amratbhai Patel, along with other eligible candidates with to bring to your knowledge about the above subjected Advertisement that were in the year 2019 and 2020 floated.

Hon'ble Sir, in this context we would like to bring to your our grievances regarding these post that were made available for us eligible candidates of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli, Daman & Diu. Actually there was no exams conducted for the above subjected advertisement and the above posts were left on hold. Since then to date there has been not filling done in respect of the above cited posts.

Hon'ble Sir, we are the candidates who were eager to apply for these posts but since there was no exam conducted we the eligible and domicile candidates could not get a chance to apply for these posts. Also Hob'ble Sir it is now almost four years and we were eligible age wise to apply for these posts now we have **crossed the age limit** and have be unfortunate for these advertisement.

With folded hands we want to take advantage to serve the Government and be able to apply for the posts.

Looking forward for your Honors Intervention in the matter at the earliest possible.

Yours sincerely,
(Harshad Amratbhai Patel)
& Others

Enl: Attached Advertisement

Dispatch Clerk
O/o the Adviser To Administrator
Secretariat, Daman.

सरकार से सवाल

5 साल से प्रक्रिया अधूरी क्यों है?
क्या युवाओं के साथ किया गया ये मज़ाक नहीं है?
क्या आयुसीमा पार कर चुके अभ्यर्थियों को न्याय मिलेगा?

डेयर टू शेयर की यह रिपोर्ट सरकार और प्रशासन से सीधा सवाल पूछती है:
"भर्ती प्रक्रिया में 5 साल की देरी – क्या ये लापरवाही नहीं, अपराध है?"
अब वक्त है कि अधिकारी जवाब दें, जिम्मेदारी तय हो और युवाओं को उनका हक मिले।

दानह के लायन सफारी में तीन शेर लाए गए; गर्मी की छुट्टियों में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी

सेल्वास | डेयर टू शेयर

दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के प्रशासक के मार्गदर्शन में यह क्षेत्र पर्यटकों को क्षेत्र के सुंदर समुद्र तटों, ऐतिहासिक स्थलों और हरे-भरे प्राकृतिक परिदृश्यों का शानदार अनुभव प्रदान करके एक शीर्ष पर्यटन स्थल बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र के वन और वन्य जीवन भी एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण हैं, जिनमें से 04 अक्टूबर 2002 को उद्घाटन किया गया लायन सफारी वासोना एक प्रमुख स्थान है। हर साल हजारों पर्यटक, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र भी शामिल होते हैं, 20 हेक्टेयर में फैले लायन सफारी में आते हैं और दमन एवं दीव की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करते हैं तथा सफारी में शेरों को करीब से देखते हैं। प्रशासक प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व में वन विभाग ने दो और शेर हासिल किए हैं, एक नर अशोक जिसे सक्करबाग चिड़ियाघर से लाया गया है और एक मादा मीरा जिसे राजकोट चिड़ियाघर से लाया गया है।

लायन सफारी में बच्चों के लिए खेल उपकरण उपलब्ध हैं, स्थानीय वातावरण वाला स्वागत केंद्र, प्रतीक्षा क्षेत्र, शौचालय और पर्याप्त पार्किंग स्थान है। इसके अतिरिक्त, आगंतुकों के लाभ के लिए कैशलेस टिकट सुविधा भी शुरू की गई है। दादरा एवं नगर हवेली के दापाड़ा गांव में स्थित सातमालिया हिरण पार्क पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। पड़ोसी राज्यों गुजरात और महाराष्ट्र से एक लाख से अधिक पर्यटक यहां आते हैं। 410 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले अभयारण्य में नीलगाय, चौसिंगा, सबर, चीतल जैसी 534 से अधिक वन्यजीव प्रजातियां प्रकृति की गोद में विचरण और कलरव करती नजर आती हैं। पर्यटक भी इन्हें देखने का आनंद लेते हैं।

सिलवासा में नाबालिग की मौत नहीं, ये सिस्टम की शर्मनाक हार है!

17 साल का रमज़ान गैरेज में करेंट लगने से मरा, लेकिन जिंदा है वो बेपरवाह व्यवस्था, जो बच्चों को मरने के लिए मज़बूर करती है।

सिलवासा - डेयर टू शेयर

सिलवासा में 8 अप्रैल की शाम को घटा एक हादसा समाज की खोखली संवेदनाओं को उजागर कर गया। रमज़ान शरीफ पठान, सिर्फ 17 साल का था — नाबालिग, लेकिन मजबूर। पेट की आग ने उसे स्कूल की बजाय गैरेज पहुँचा दिया, जहाँ करेंट ने उसकी जान ले ली।

गैरेज मालिक बेफिक्र, सिस्टम मूक, और समाज मौन है।

क्या यही है नए भारत का चेहरा, जहाँ बच्चों को काम पर भेजना विवशता नहीं, व्यवस्था की असफलता बन चुका है?

सवाल सिर्फ रमज़ान की मौत का नहीं है।

सवाल है उन अफसरों का, जो महीने में एक बार भी निरीक्षण नहीं करते।
सवाल है उन NGO का, जिनके बैनर बड़े और ज़मीर छोटे हैं।
और सवाल है उन समाजसेवियों का, जिनकी सेवाएं कैमरे के फ्लैश पर शुरू होती हैं और वहीं खत्म।

अब भी अगर हम नहीं जागे, तो अगला रमज़ान किसी और घर से उठेगा। ये हादसे नहीं हैं — ये चेतावनियां हैं। समय है – जागने का, सवाल करने का, और जवाब मांगने का।

कहाँ हैं ये जिम्मेदार?

लेबर इंस्पेक्टर: कितने गैरेजों और होटलों का निरीक्षण हुआ पिछले 3 महीनों में?
NGO और बाल कल्याण समिति: क्या रमज़ान के लिए कोई योजना थी?
प्रशासन: क्या दोषी गैरेज मालिक पर कोई केस दर्ज हुआ?

"समाजसेवी या सिर्फ सेल्फीवी?"

हर महीने नई NGO, हर शहर में दर्जनों समाजसेवी...
पर जब एक गरीब बच्चा गैरेज में मर जाता है,
तो सबका सोशल मीडिया अकाउंट 'डिस्कनेक्ट' हो जाता है।
ना कोई ट्वीट, ना कोई स्टेटमेंट, ना कोई कैंडल मार्च।

शायद रमज़ान की मौत उनके ब्रांड प्रमोशन में फिट नहीं बैठती थी।
शायद इंसानियत अब सिर्फ इवेंट मैनेजमेंट बन गई है।
शायद... हम सब एक दिखावटी समाज के दर्शक हैं।

संपादकीय

घर घर की कहानी

देश में बेरोजगारी इतनी है कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि क्या शहरी है और क्या ग्रामीण? लेकिन हाल के नए शोध और सर्वेक्षणों से पता चलता है कि शहरी बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। शहरी जीवनशैली ऐसी है कि एक सीमा से अधिक मितव्ययिता बरतना लोगों के लिए उपयुक्त नहीं है। क्योंकि अपरिहार्य व्यय बहुत अधिक हैं। आज हमें पता चलता है कि करोड़ों या उससे भी अधिक मुनाफा कमाने वाले प्राचीन गुजराती व्यापारियों की जीवनशैली कितनी सरल थी। तेजी और मंदी बाजार का चक्र है और यह घूमता रहता है। पुरानी पीढ़ियां हमेशा सभी प्रकार के दिखावटीपन और परिस्थितियों से दूर रहती थीं, ताकि वे इसका अपने जीवन पर प्रभाव न पड़ने दें। किसी को नहीं मालूम था कि कलिकाल में कोरोना काल जैसा अंतर्काल आएगा। अब, डोनाल्ड ट्रम्प के कारण अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर एक नई संभावित वैश्विक मंदी सामने आई है। नौकरी चाहने वाले युवाओं के लिए अब अपने वित्तीय जीवन पर पुनर्विचार करने का अवसर आ गया है। बेरोज़गारी अब भारत में एक घरेलू कहानी बन गई है। 'व्हाट वरीज़ द वर्ल्ड' शीर्षक से जारी एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय शहरी नागरिक बेरोजगारी को सबसे बड़ी समस्या के रूप में देखने लगे हैं। शैक्षणिक गतिविधियों और विश्वविद्यालयों में उनका विश्वास पूरी तरह से खत्म हो गया है। शहरी लोगों ने यह रहस्य जान लिया है कि चाहे आप कितनी भी शिक्षा पूरी कर लें और चाहे आप कितनी भी अकादमिक मेहनत कर लें, अंत में आपको अपनी पढ़ाई के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी अद्वितीय शक्तियों के आधार पर नौकरी मिलनी ही है। इस अद्वितीय शक्ति का अर्थ है किसी भी कार्य को शुरू से अंत तक करने की इच्छा। ऐसा नहीं है कि बाजार में काम नहीं है। काम तो किया जाना है, लेकिन जो युवा इसे पूरे मन से करते हैं, उनकी संख्या अल्पसंख्यक है। थोड़ी सी चालाकी, अति आत्मविश्वास या हठधर्मिता कहीं भी काम नहीं आती। नौकरी का सपना अब तभी पूरा हो सकता है जब आप कड़ी मेहनत करें और ठोस परिणाम दें। न तो देश की विपक्षी पार्टियों और न ही क्षेत्रीय दलों के पास बेरोजगारी पर कोई आंकड़ा है और न ही उनका कोई प्रतिनिधित्व है। लाखों नौकरियां उपलब्ध कराने का मिथक अभी भी हवा में है। विश्व के पचास से अधिक देश गंभीर बेरोजगारी से पीड़ित हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की हालत ख़राब है। लेकिन बेरोजगारी की स्थिति और भी भयावह है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए प्रार्थना की जा सकती है, लेकिन रोजगार की स्थिति पर तरस खाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसमें भी रोजगार की स्थिति दो चरम सीमाओं के बीच फंसी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी एक अलग मुद्दा है और शहरी निवासियों पर लटकती बेरोजगारी की तलवार एक अलग मुद्दा है। दोनों क्षेत्रों में युवा और वयस्क अपने परिवारों के भरण-पोषण के लिए जिन नौकरियों पर निर्भर हैं, वे वर्तमान में लड़खड़ाती भारतीय अर्थव्यवस्था के कारण अस्थिरता का अनुभव कर रही हैं। भारतीय श्रमिकों के लिए नौकरी खोने का तनाव काम करने से भी अधिक है। इस चुनाव के लिए प्रचार अभियान से पता चलता है कि देश के युवा अब राजनीतिक दलों का मोहरा बनने को तैयार नहीं हैं। वे विभिन्न पार्टियों से अलग हो गए हैं और निजी रोजगार पाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पहले युवा कहते थे कि अगर उन्हें अच्छी नौकरी मिल जाए तो बहुत अच्छा है। अब वे कहते हैं कि अगर किसी को नौकरी मिल जाए तो बहुत बढ़िया होगा यार! आजादी के बाद पहली बार हमें नौकरी पाने और मिली नौकरी को बनाए रखने के लिए समान रूप से संघर्ष करना पड़ रहा है। 'व्हाट्स रौंग विद द वर्ल्ड' रिपोर्ट में एक आश्चर्यजनक निष्कर्ष यह है कि अनेक चुनौतीपूर्ण मुद्दों और राजनेताओं की खतरनाक रूप से अव्यवस्थित बिसात के बावजूद, सत्तर प्रतिशत लोगों का मानना है कि भारत वर्तमान में सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। यानि, देश को जिस तरह से चलाया जा रहा है और सार्वजनिक जीवन में जो विकास हो रहा है, वो सही है और उसी प्रक्रिया से भारत नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की ओर से रोजगार के आंकड़े आते रहते हैं, जिन्हें केंद्र सरकार भी नकार नहीं सकती।

संपादक: मनोज रावल

धरमपुर के भावभवेश्वर मंदिर में 5 दिवसीय संकल्प सनातन समारोह, सीएम भूपेन्द्र पटेल समेत दिग्गज हुए शामिल

धरमपुर | डेयर टू शेयर

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल वलसाड जिले के धरमपुर में बारुमल सदुरुधाम में भावभवेश्वर महादेव मंदिर के रजतोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने वैदिक मंत्रों का उच्चारण करके महादेवजी का अभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में चल रहे महारुद्र महायज्ञ का दर्शन किया। इस यज्ञ में 10 दम्पतियों ने यजमान के रूप में भाग लिया। उन्होंने यज्ञशाला की परिक्रमा भी की। बारुमल सद्गुरुधाम पिछले 25 वर्षों से आदिवासी क्षेत्र में सेवा और सांस्कृतिक विकास की दिशा में काम कर रहा है। इस मंदिर ने नशाखोरी और अनैतिकता जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए घर-घर जाकर सनातन धर्म का प्रचार किया है। आज इस क्षेत्र के हर घर में गीता और गंगाजल की उपस्थिति देखी जाती है। सद्गुरुधाम में 250 से अधिक गायों की सेवा की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मंदिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वसुधैव कुटुम्बकम की भावना तथा भारत को विश्व गुरू बनाने के उनके संकल्प को पूरा कर रहा है। मुख्यमंत्री ने गुजरात की खुशहाली, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने के उनके दृष्टिकोण के लिए संतों और वक्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा और विश्व कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ विश्व नेता बन जाएगा। परमाध्यक्ष आचार्य विद्यानंद सरस्वतीजी महाराज ने ओम की ध्वनि की गूंज के

साथ गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि पहले यहां सड़कें नहीं थीं। वहाँ कोई सुविधा नहीं थी. प्रतिकूल वातावरण में जातिगत भेदभाव समाप्त कर दिया गया तथा सभी को आत्मसात कर लिया गया। उन्होंने आदिवासियों के घरों में भोजन उपलब्ध कराकर, हर गांव और हर झोपड़ी को मंदिर में बदलकर और सनातन धर्म का ध्वज फहराकर उनकी सेवा की है। यह आदिवासी समाज सनातन संस्कृति का अनुयायी है। इसके अलावा उन्होंने अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि जीवन सादा होना चाहिए और खान-पान शुद्ध और सात्विक होना चाहिए। स्वामी जी ने मुख्यमंत्री के आगमन का स्वागत किया तथा उन्हें शॉल ओढ़ाते हुए कहा कि गौरव के इस क्षण की लंबे समय से प्रतीक्षा थी, और आज यह सफलता मिली है।

पुलिस ने गोवा से 16 वर्षीय लड़की और 23 वर्षीय आरोपी को पकड़ा

वलसाड | डेयर टू शेयर

वलसाड सिटी पुलिस को एक महत्वपूर्ण मामले में सफलता मिली है। पुलिस ने गोवा से अपहृत एक नाबालिग लड़की को बचा लिया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 16 वर्षीय लड़की का 4 अप्रैल 2025 को अपहरण कर लिया गया था। आरोपी प्रहलाद सिंह शंकरसिंह राजपुरोहित (23) नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया था। आरोपी उमरगाम के गांधीवाड़ी इलाके में रहता है और मूल रूप से राजस्थान के बालोतरा का रहने वाला है। वलसाड एसपी डॉ. करणराज

वाघेला के निर्देशानुसार और डीवाईएसपी ए.के. वर्मा, सिटी पीआई दिनेश परमार की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की। ऑटो-रिक्शा चालकों, टैक्सी चालकों और ट्रैवल एजेंसियों से संपर्क किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने नाबालिग की इंस्टाग्राम आईडी और कॉल डिटेल की जांच की। नाबालिग के दोस्तों और रिश्तेदारों से पूछताछ की गई। सीडीआर विश्लेषण के बाद पता चला कि आरोपी नाबालिग को गोवा ले गया था। एसपी द्वारा बच्चों व महिलाओं की तलाश के लिए 1 से 15 अप्रैल 2025 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नाबालिग को बचा लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा उससे प्रारंभिक पूछताछ की जा रही है। नाबालिग की मेडिकल जांच करायी गयी है।

वलसाड में युवक की वाहन की टक्कर से मौत

वलसाड | डेयर टू शेयर

वलसाड के अब्रामा में रहने वाला एक युवक रात को हाईवे पर एक होटल के पास की दुकान पर मावो खरीदने गया था। मावो के साथ लौटते समय वह पैदल हाईवे पार कर रहा था, तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वलसाड के अब्रामा क्षेत्र के वाव फलिया में रहने वाले प्रवीण बारिया के साले की पत्नी अनीताबेन सतीश बारिया रात करीब 12 बजे घर आईं और बताया कि पप्पू का गिरिराज होटल के सामने हाईवे पर एक्सीडेंट हो गया है और उसे वलसाड के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे परेशान होकर प्रवीण अपने दोस्त राजू को लेकर वलसाड सिविल अस्पताल पहुंचा। वहीं, भार्गव राजूभाई पटेल ने बताया कि विशालभाई रात 11.30 बजे अपनी

धरमपुर नाबालिग लड़की से बलात्कार मामले में बड़ी सजा

वलसाड | डेयर टू शेयर

वलसाड जिले के धरमपुर तालुका में 15 वर्षीय लड़की से बलात्कार के मामले में विशेष अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया है। घटना 18 जुलाई 2021 की रात की है। पीड़िता अपनी मां के साथ एक ही बिस्तर पर सो रही थी। माँ रात दस बजे सोने चली गई। जब मैं सुबह चार बजे उठा तो मेरी बेटी गायब थी और कमरे का दरवाजा खुला था। परिवार ने आस-पास के इलाके में खोजबीन की। जांच में पता चला कि रिश्तेदार भी घर पर मौजूद नहीं था और उसकी मोटरसाइकिल भी गायब थी। दोनों के मोबाइल फोन बंद थे। परिमल ने अपनी मां को फोन करके बताया कि वह वापस नहीं आ रहा है। विशेष न्यायाधीश एम.ए. मिर्जा ने सरकारी वकील अनिल त्रिपाठी की दलीलों को स्वीकार करते हुए आरोपी को 20 साल की कैद और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत 5,000 रुपये का जुर्माना। उसे 10 साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। आईपीसी की धारा 376(2)(एन) के तहत 5,000 रुपये का जुर्माना और 20 साल की कैद और 5000 रुपये का जुर्माना। धारा 376(3) के तहत 5,000 रु. जुर्माना अदा न करने की स्थिति में प्रत्येक मामले में एक माह का अतिरिक्त कारावास का प्रावधान किया गया है। अदालत ने आदेश दिया है कि सभी सजाएं एक साथ पूरी की जाएं।

युवा लेखक विवान कारुलकर को ब्रिटिश संसद हाउस ऑफ कॉमर्स द्वारा सम्मानित किया गया

उमरगांव | डेयर टू शेयर

मूल रूप से उमरगांव निवासी और मुंबई के एक सुप्रसिद्ध व्यवसायी परिवार से संबंध रखने वाले युवा लेखक विवान करुलकर को ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स द्वारा सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार उनकी पुस्तकों "सनातन धर्म: सभी विज्ञानों का सच्चा स्रोत" और "सनातन धर्म: सभी प्रौद्योगिकियों का सच्चा स्रोत" के लिए मिला, जिन्हें भारत और विदेशों में सराहा जा रहा है। ब्रिटिश सांसद और कैबिनेट मंत्री गैरेथ थॉमस, निर्यात, व्यापार और सेवा मंत्री, ने विवान को उनके कार्य के सम्मान में हाउस ऑफ कॉमन्स का प्रतीक चिन्ह और बैज प्रदान किया। यह सम्मान विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह ब्रिटिश संसद द्वारा प्रदान किया जाता है। विवान फिलहाल लंदन में हैं, जहां उनके साथ उनके पिता, प्रसिद्ध उद्योगपति प्रशांत करुलकर और उनकी मां शीतल करुलकर, जो करुलकर फाउंडेशन की उपाध्यक्ष हैं, भी हैं। विवान ने उनके सामने यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। जिसके लिए पिता प्रशांत करुलकर ने ब्रिटिश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विवान यह सम्मान पाने वाला सबसे कम उम्र का बेटा है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए हरिभाई और रंगभाई को भी धन्यवाद दिया। हालाँकि, विवान ने यह किताब 16 साल की उम्र में लिखी थी और इतनी कम उम्र में उनके गहन शोध की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। यह पुस्तक तीन भाषा संस्करणों में प्रकाशित हो चुकी है तथा अब इसका प्रौद्योगिकी आधारित अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध है। विवान की पुस्तकों को न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है। कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने उनके काम की सराहना की है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। विवान ने अपनी पुस्तकों के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि वेदों में वर्णित ज्ञान ही आज का विज्ञान है। उन्होंने उन लोगों को भी जवाब दिया जो मानते हैं कि विज्ञान और सनातन धर्म का कोई संबंध नहीं है।

एकलेरा में पेड़ काटने को लेकर दो परिवारों में झगड़ा

भिलाड | डेयर टू शेयर

उमरगाम तालुका के एकलारा गांव में जमीन पर लगे पेड़ों को काटने को लेकर दो परिवारों के बीच झगड़ा हो गया, जिसके परिणामस्वरूप लाठी-डंडे चले और पत्थर फेंके गए, जिससे दोनों पक्षों के लोग घायल हो गए और भिलाड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। उमरगाम तालुका के एकलारा गांव में 6 और 7 अप्रैल को एक विवादित पारिवारिक भूमि पर पेड़ों की कटाई को लेकर झगड़ा हुआ। जिसमें दोनों परिवारों के उत्तेजित सदस्य आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे की मदद से धक्का-मुक्की, लाठी-डंडों से मारपीट और हाथों से पथराव कर दिया, जिससे दोनों पक्षों के सदस्य घायल हो गए। इस मारपीट के संबंध में हेमंत रमणभाई मह्यावंशी ने 4 लोगों के खिलाफ और हितेश दिलीप मिस्त्री ने चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और भिलाड पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है।

वलसाड में 181 अभयम महिला हेल्पलाइन की सफलता

वलसाड | डेयर टू शेयर

वलसाड जिले के वापी तालुका की एक महिला ने मदद के लिए 181 अभयम महिला हेल्पलाइन पर कॉल किया। महिला ने अपने पति की लत और दुर्व्यवहार से मुक्ति पाने के लिए मदद मांगी। 33 वर्षीय पीड़िता प्रतिदिन 5-6 घरों में काम करके अपना गुजारा करती है। उसका पति अंशकालिक नौकरी करता है और अपनी आय नशे की लत में बर्बाद कर देता है। वे घर का खर्च नहीं देते और पैसों के लिए अपनी पत्नियों को परेशान करते हैं। वह अपने पति द्वारा शारीरिक और मानसिक यातनाएं झेलती थी। जब उन्हें पैसे नहीं मिलते थे तो वे घर की लाइटों से फ्यूज निकाल देते थे, अपने मोबाइल फोन फेंक देते थे और अश्लील भाषा का प्रयोग करते थे। 181 टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और दम्पति को परामर्श दिया। टीम ने बताया कि इस तरह के व्यवहार का परिवार और बच्चों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। काउंसलिंग के सकारात्मक परिणाम के रूप में पति ने हर माह घर का खर्च उठाने तथा परिवार के साथ अच्छे से रहने का वादा किया। इस प्रकार, 181 अभयम हेल्पलाइन ने परिवार में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संजान में रेलवे अंडरपास के निर्माण के दौरान भूस्खलन से 1 की मौत

उमरगाम | डेयर टू शेयर

उमरगाम में संजान रेलवे ब्रिज के पास रेलवे अंडरपास के निर्माण के दौरान हादसा होने का मामला सामने आया है। कल। 6 अप्रैल, 2025 की सुबह 13 मजदूर रेलवे अंडरपास से मिट्टी हटाने का काम कर रहे थे। एक घटना के दौरान, दो श्रमिक भूस्खलन में दब गए। घटना के समय रेलवे ट्रैक खंभा संख्या 147/5 और 147/7 के बीच अंडरपास का निर्माण कार्य चल रहा था। अन्नपूर्णा पीईटी लिमिटेड कंपनी के पीछे हुमरान में कुल 13 मजदूर मिट्टी खोदने का काम कर रहे थे। इस दौरान वापी से मुंबई जा रही एक ट्रेन वहां से गुजरी, जिसके कंपन से ऊपर की मिट्टी ढह गई। भूस्खलन के कारण दो श्रमिक, संजयभाई सुरेशभाई रावते और

सचिन बारक्या जूनियर, दब गए। स्थानीय लोगों और अन्य श्रमिकों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और 108 एम्बुलेंस को सूचित किया। दोनों मजदूरों को पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां संजयभाई रावत को मृत घोषित कर दिया गया। सचिन को आगे के इलाज के लिए वलसाड सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। उमरगाम पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए गांधीवाड़ी सरकारी अस्पताल भेज दिया। संजय लिलका की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। रेलवे ट्रैक पर कीचड़ होने से दो मजदूरों की मौत हो गई।

उमरगाम नगरपालिका द्वारा बनाई गई नई कंक्रीट सड़क को ध्वस्त कर दिया गया

उमरगाम | डेयर टू शेयर

यह मुद्दा शहर में चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि हाल ही में उमरगाम नगर पालिका ने शहर में बनी कंक्रीट की सड़क को जेसीबी ब्रेकर मशीन से कुछ ही दिनों में तोड़कर संकरा कर दिया था। दस साल पहले नगरपालिका ने उमरगाम नगरपालिका क्षेत्र में नारगोल तटीय राजमार्ग से सटे बरियावद फलिया से गौरवपथ को जोड़ने के लिए पेवर ब्लॉक से एक पहुंच मार्ग का निर्माण किया था। यह सड़क कुछ निजी संपत्ति से होकर गुजरती है, लेकिन चूंकि इसका उपयोग वर्षों से सार्वजनिक सड़क के रूप में किया जा रहा है, इसलिए यह नगर पालिका के संपत्ति रजिस्टर में पंजीकृत है। नगर पालिका ने कुछ दिन पहले सीमेंट कंक्रीट से यह पेवर ब्लॉक सड़क बनाई थी, जो काफी जर्जर हो चुकी थी। क्योरिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद, लोगों द्वारा सड़क का उपयोग शुरू करने से पहले ही, नवनिर्मित सीमेंट कांग्रेस रोड पर अचानक ग्रहण लग गया। नगर पालिका ने कुछ स्थानों पर सड़क पर जेसीबी से ब्रेकर लगा दिए हैं और सड़क की चौड़ाई कम कर दी है। शहर में इस बात को लेकर काफी बहस चल रही है कि नगरपालिका ने एक सुंदर और मजबूत सड़क पर जेसीबी चलवाकर उसे नष्ट करने की कार्रवाई क्यों की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ज्ञात हुआ है कि नगर पालिका में कार्यरत एक कर्मचारी ने उक्त भूमि को निजी भूमि बताते हुए सड़क की चौड़ाई पर आपत्ति जताई थी, तथा हठधर्मिता के चलते सड़क को संकीर्ण करने पर मजबूर होना पड़ा। मामले को सुलझाने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष के प्रयासों के बावजूद यह बात सामने आई है कि भूस्वामी की जिद के आगे नगर पालिका प्रशासन को झुकना पड़ा।

मजबूत कानून व्यवस्था ने सेल्वास और दमन केंद्र शासित प्रदेशों से उद्योगों के पलायन को रोक दिया

वापी | डेयर टू शेयर

सिलवासा में एक ओपन हाउस के माध्यम से पारदर्शी तरीके से केंद्र शासित प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत उद्योगों को सब्सिडी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन प्रशासक प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व में पारदर्शी प्रशासन के दर्शन के तहत किया गया। कर लाभ के कारण 90 के दशक से संघ शासित प्रदेश में उद्योग स्थापित किये गये। यह केंद्र शासित प्रदेश पहले कानून और व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त था और उद्योगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, जिसके कारण उद्योगों को स्थानांतरित करना पड़ा। लेकिन हाल के वर्षों में प्रशासक प्रफुल्ल पटेल की भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति के तहत इस तरह की गंदगी को यहां से पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और प्रशासक के पारदर्शी, सुलभ प्रशासन तथा सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के कारण न केवल उद्योगों का पलायन रुका, बल्कि यह प्रवृत्ति भी सकारात्मक दिशा में मुड़ गई। हाल ही में

यहां कई नए उद्योग स्थापित हुए हैं और कई उद्योगों का विस्तार हुआ है। पिछले 9 वर्षों में दमन और दानापुर में 2000 से अधिक नए उद्योग स्थापित या विस्तारित हुए हैं। उद्योगों को समर्थन देने के लिए 2022 में एक नई योजना शुरू की गई। अब तक 8 वर्षों में 414 इकाइयों को कुल 13,000 लाख रुपये से अधिक की सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है। ओपन हाउस में निवेश प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 139 उद्योगों को विभिन्न प्रकार की 148 सब्सिडी प्रदान की गई। आज एक क्लिक पर उद्योगों के खाते में 5000 लाख रुपए की सब्सिडी जारी कर दी गई है। जिसमें दमन को 66 विभिन्न सब्सिडी और दादरा और नगर हवेली को 82 विभिन्न सब्सिडी दी गई हैं। इनमें से 46 नये उद्योगों के लिए और 102 विस्तार के लिए हैं। 5000 लाख में से पूंजीगत सब्सिडी 3000 लाख तथा ब्याज सब्सिडी लगभग 2000 लाख है। इन 139 उद्योगों में कुल 1,000 करोड़ रुपये का निवेश है। इसमें 800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है, जिससे लगभग 10,000 युवाओं के लिए रोजगार सृजित होगा। उद्योग स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने के लिए निकट भविष्य में विशेष रोजगार शिविर भी आयोजित करेगा। इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और केंद्र शासित प्रदेश से उनका पलायन रुकेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

पारडी की प्रियांशी गैस एजेंसी सील, 69 सिलेंडर जब्त की गई

पारडी | डेयर टू शेयर

आपूर्ति श्रृंखला ने "प्रियांशी एंटरप्राइजेज" नामक एक गैस एजेंसी पर आंखें मूंद लीं, जो अग्नि सुरक्षा उपकरणों और आवश्यक परमिट के बिना पारडी शहर के एक आवासीय क्षेत्र में काम कर रही थी, और 69 सिलेंडर और एजेंसी को जब्त कर लिया। यह गैस एजेंसी महेश गंगाराम बंसीवाल नामक व्यक्ति चलाता था। आवासीय क्षेत्र होने के बावजूद वहां किसी भी प्रकार का कोई सुरक्षा उपकरण नहीं था। इस गंभीर मामले को देखते हुए पारडी मामलतदार किरण सिंह राणा, आपूर्ति विभाग के डिप्टी मामलतदार मनीष पटेल और जिला आपूर्ति विभाग की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर गैस एजेंसी का दौरा किया और वहां कुल 69 सिलेंडर पाए, जिनमें से 6 भरे हुए थे। अधिकारियों ने तुरंत सभी सिलेंडर जब्त कर लिए और एजेंसी को सील कर दिया। पता चला है कि आपूर्ति विभाग जहां पारदी गैस एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, वहीं कई अन्य अवैध एजेंसियों के संचालक अपनी दुकानें बंद कर भाग गए हैं। इसी तरह यदि विभाग वापी के स्लम क्षेत्र में भी कार्रवाई करे तो गंभीर गलतियां सामने आ सकती हैं। वापी, गीतानगर, डुंगरा, चिरी, सुल्पड़ जैसे इलाकों में दुकानदार अवैध रूप से बड़े सिलेंडरों को छोटे सिलेंडरों में भर रहे हैं।

वलसाड में सोने के आभूषण चमकाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पुणे से पकड़ा गया

वलसाड | डेयर टू शेयर

25 मार्च 2025 को एक घर के गेट पर बाइक सवार अज्ञात लोग पहुंचे और खुद को उजाला कंपनी से बताते हुए कहा कि कंपनी ने पुराने तांबे और पीतल के बर्तनों को चमकाने के लिए पाउडर निकाला है। महिला और उसकी बेटी को विश्वास में लेकर उन्होंने सोने की बालियां और चेन भी उतरवा लीं और उन्हें चमकाने के बहाने झांसा देकर जेवरात लेकर फरार हो गए। इस घटना को लेकर सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के मुद्दे पर ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए रेंज आईजी प्रेमवीर सिंह और एसपी डॉ. करणराज वाघेला के सीधे निर्देश पर वलसाड ग्रामीण पुलिस पीआई भाविक जितिया ने अपनी टीम के साथ जांच कर 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरे चेक किए और

आरोपियों की मोटरसाइकिल को रिपेयर के लिए नासिक स्थित सर्विस सेंटर ले गए। वे इस स्थान से आरोपी का मोबाइल नंबर और नाम पता करने में सफल रहे। बाद में इसके आधार पर पहचान साक्ष्य जुटाकर आरोपी के मोबाइल नंबर की लोकेशन निर्धारित की गई। सीडीआर प्राप्त करने के बाद, वलसाड ग्रामीण पुलिस के पीआई भाविक जितिया के मार्गदर्शन और निर्देश पर, पीएसआई वी.ए. वसावा, कंपनी मधुभा ई. गोहिल, बिपिन पटेल, ओमदेवसिंह गोहिल, गोपेश मेरामभाई, धनश्यामसिंह मंडलावत, याग्निक पटेल और प्रशांत सोनवणे, जिन्होंने पुणे जिले में निवास स्थापित किया था, ने बारामती पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित श्रीकृष्णा लॉज, पुणे जिले के 4 चोरों के एक गिरोह के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की। यह गिरोह मोहम्मद परवेज आलम शेख, वर्तमान में श्रीरामपुर, नजमो खाला, अहमदनगर में रह रहे हैं, मूल रूप से जमुनिया, भागलपुर बिहार में रह रहे हैं, विनोद केवल भगत, वर्तमान में श्रीरामपुर, अहमदान गर में रह रहे हैं, मूल रूप से बिहार में रह रहे हैं, संजय कुमार नंदीप्रसाद शाह, मूल रूप से पुवारी टोलो महोल्ला, जमुनिया, बिहार में रह रहे हैं, वर्तमान में श्रीरामपुर, अहमदान गर, महाराष्ट्र में रह रहे हैं, मोहम्मद इम्तियाज शेख, वर्तमान में श्रीरामपुर, अहमदान गर में रह रहे हैं, मूल रूप से जमुनिया में रह रहे हैं

वापी में अवैध कबाड़ गोदाम में आग लगने की शिकायत दर्ज

वापी | डेयर टू शेयर

6 अप्रैल की शाम को वापी तालुका के करवड़ गांव के पिपरडी फलिया स्थित 'समा ट्रेडर्स' के स्क्रैप गोदाम में भीषण आग लग गई। शाम करीब चार बजे लगी आग पर काबू पाने के लिए वापी नगर निगम और जीआईडीसी की कुल 11 अग्निशमन टीमों को बुलाना पड़ा। पुलिस जांच में पता चला कि गोदाम के मालिक अब्दुल हामिद अब्दुल कुदुश सिद्दीकी ने बिना किसी कानूनी अनुमति के गोदाम और खुले क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील प्लास्टिक स्क्रैप एकत्र किया था। आग के कारण आसपास के इलाकों में घना धुआँ फैल गया और हवा प्रदूषित हो गई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि, आग से गोदाम का बड़ा हिस्सा और उसमें रखा मलबा नष्ट हो गया है। अधिकारियों के अनुसार यह घटना पूरी तरह लापरवाही के कारण हुई। इससे लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा हो गया। डुंगरा थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार आरोपियों के खिलाफ भादंसं की धारा 270, 280, 285, 287, 292 और पर्यावरण अधिनियम की धारा 15 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आगे की जांच शुरू कर दी है।

वलसाड जिला राजस्व कर्मचारी मंडल ने कलेक्टर को सौंपी याचिका

वलसाड | डेयर टू शेयर

वलसाड जिला राजस्व कर्मचारी मंडल ने आज जिला कलेक्टर को एक आवेदन सौंपा है। यह प्रस्तुति राजस्व विभाग के कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों के संबंध में दी गई है। मुख्य मांगों में उप मामलतदार संवर्ग की वरिष्ठता सूची का मुद्दा अहम है। इस सूची को पिछले 8 वर्षों से अद्यतन नहीं किया गया है। जून 2017 में प्रकाशित सूची की कमियों व आपत्तियों का अभी तक निराकरण नहीं किया गया है। कर्मचारियों के जिला स्थानांतरण के आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने की भी मांग की गई है। बोर्ड ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शी प्रणाली अपनाने की मांग की है। कलेक्टर स्तर से एनओसी प्राप्त करने की प्रथा को बंद करने की भी मांग की गई है। क्लर्क से डिप्टी मामलतदार के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया अभी चल रही है। 2015 में नियुक्त सभी लिपिकों की एक साथ पदोन्नति की मांग की गई है। 17 दिसंबर 2024 को राजस्व महामंडल ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा। आमने-सामने साक्षात्कार भी आयोजित किया गया। लेकिन सकारात्मक समाधान के बजाय, कुछ उप मामलतदारों को उनके अनुरोध या अनुमोदन के बिना दूरदराज के जिलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस आदेश से इन कर्मचारियों के सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना है तथा महिला कर्मचारियों को भी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके कारण समस्त राजस्व कर्मचारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा 10 दिन के भीतर राजस्व कर्मचारियों की लंबित मांगों पर सकारात्मक समाधान नहीं किया गया तो जिले में राजस्व कर्मचारियों द्वारा काली पट्टी बांधकर काम करने, सामूहिक सी.एल. करने तथा हड़ताल जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वापी में मुंबई से अर्ध-पके आमों का आगमन

वापी | डेयर टू शेयर

महाराष्ट्र से आम अब वापी-वलसाड में आ गए हैं। गर्मी के कारण इस साल आम का सीजन हर साल की तुलना में पहले शुरू हो रहा है। हालांकि, मुंबई से रत्नागिरी हाफूस आम की आवक वापी और दक्षिण गुजरात में पहले ही शुरू हो चुकी है। वापी के व्यापारी सचिन जैन के अनुसार, दक्षिण भारत से आम उनके यहां फरवरी में आते हैं और महाराष्ट्र से रत्नागिरी हाफूस अप्रैल में आना शुरू हो जाते हैं। हालाँकि, इस वर्ष रत्नागिरी हफूस का आगमन मार्च से ही हो रहा है। शुरुआत में यह 700 से 1200 रुपये प्रति दर्जन था, हालांकि, अप्रैल में रत्नागिरी हाफुस की आय बढ़ गई है, जिससे कीमतों में भी कमी आई है। इस समय आम 400 से 900 रुपये प्रति दर्जन बिक रहे हैं। वलसाड जिले का हाफूस अप्रैल के अंत तक स्थानीय एपीएमसी बाजार में उपलब्ध हो जाएगा। हालाँकि, किसानों का कहना है कि स्थानीय आम की फसल में कमी आई है।

1.5 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सरकारी पुस्तकालय का उद्घाटन

धरमपुर | डेयर टू शेयर

1.5 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सरकारी पुस्तकालय का उद्घाटन। धरमपुर में 1.5 करोड़ रु. वलसाड जिले के धरमपुर में नवनिर्मित सरकारी तालुका पुस्तकालय का उद्घाटन राज्य के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने किया। 15वें वित्त आयोग एवं विभिन्न अनुदानों से 401.5 वर्ग मीटर में निर्मित इस भवन में अनेक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पुस्तकालय में ऐसी प्रणाली है जो 72 से अधिक पाठकों को एक साथ पढ़ने की सुविधा देती है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक अलग अनुभाग, पुस्तकालय, विनिमय अनुभाग, पत्रिका अनुभाग और दैनिक समाचार पत्र अनुभाग भी उपलब्ध हैं। मंत्री ने घोषणा की कि इस पुस्तकालय में ई-लाइब्रेरी सुविधाएं भी जोड़ी जाएंगी। 1982 में खुले इस पुस्तकालय में वर्तमान में 19,882 पुस्तकें हैं। इसमें प्रतियोगी परीक्षा-उन्मुख पुस्तकें, उपन्यास, बाल साहित्य और संदर्भ साहित्य शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को मार्गदर्शन देने के लिए यहां विशेषज्ञों को बुलाया जाएगा। वलसाड जिला पंचायत अध्यक्ष मनहर पटेल की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री ने पुस्तकालय सदस्यता कार्ड भी वितरित किए। उन्होंने पारडी और उमरगाम तालुका में जल्द ही नए पुस्तकालय खोलने की भी घोषणा की। धरमपुर विधायक अरविंद पटेल और जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के निदेशक ए.के. इस अवसर पर कलसारिया भी उपस्थित थे।

दो लोगों ने वापी भूमि डेवलपर पर हमला किया, कहा यह जमीन हमारी है

वापी | डेयर टू शेयर

वापी के राटा में औद्योगिक पार्क की प्लॉटिंग साइट पर दो लोग गए और डेवलपर से कहा कि यह जमीन हमारी है और आप हमारी जमीन पर क्यों आए हैं? उन्होंने मुझे मुक्का मारा और मेरी आंख के नीचे से खून बहने लगा। दोनों लोगों के खिलाफ डुंगरा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। वलसाड के तिथल रोड पर प्रमुख पार्क में मान बंगलोज में रहने वाले और वापी में श्रीकुबेर नाम से भूमि विकास कंपनी चलाने वाले दीपक दामजीभाई भानुशाली वर्तमान में वापी राटा में श्रीकुबेर औद्योगिक पार्क के नाम से एक भूखंड विकसित कर रहे हैं। मंगलवार को साइट पर सुपरवाइजर के रूप में काम करने वाले आशीष ने फोन पर बताया कि साइट के बगल में रहने वाले सुरेश मनिया पटेल इस जगह पर दुर्व्यवहार कर रहे हैं। तो दीपकभाई मौके पर पहुंचे। जहां सुरेश मनिया

पटेल और लालू सुरेश पटेल ने कहा कि यह जमीन हमारी है और तुम मेरी जमीन पर क्यों आए? वे लोग कुल्हाड़ी लेकर आए और सार्वजनिक रूप से गाली-गलौज करते हुए मुक्कों से पीटने लगे। जिसके बाद सुरेश ने उसकी आंख के नीचे मुक्का मारना शुरू कर दिया, जिससे खून बहने लगा। सुपरवाइजर ने उनकी और पिटाई की और दोनों वहां से भाग निकले। पुलिस ने आरोपी सुरेश और लालू के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और कार्रवाई कर रही है। फिलहाल डुंगरा पुलिस ने आरोपी सुरेश पटेल और लालू पटेल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और यह भी जांच कर रही है कि इस जमीन का असल मालिक कौन है।

पोक्सो मामले में 15 दिन में 3 आरोपियों को कड़ी सजा : वापी स्पेशल। अदालत ने तीनों को मौत की सजा सुनाई;

उमरगाम | डेयर टू शेयर

पिछले 15 दिनों में वापी में 1 और उमरगाम में 2 बलात्कार के मामले सामने आए। कुल 3 पोक्सो मामलों में 3 अलग-अलग आरोपियों को अंतिम सांस तक मौत की सजा सुनाई गई। वापी में पोक्सो अधिनियम के तहत विशेष अदालत के न्यायाधीश टी. वी. आहूजा ने इसे सुना है। वलसाड पुलिस द्वारा की गई विस्तृत जांच और मेडिकल साक्ष्य, गवाहों के बयान, एफएसएल रिपोर्ट, घटनास्थल का पंचनामा, घटनास्थल का पुनर्निर्माण, जांच अधिकारियों के बयान और सरकारी वकील अनिल त्रिपाठी की प्रभावी दलीलों सहित साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए आरोपी को दोषी ठहराया गया है। इस बीच, वलसाड के एसपी डॉ. करणराज वाघेला पुलिस के काम से प्राप्त परिणामों से खुश हैं। वलसाड एसपी करणराज वाघेला ने कहा कि. वलसाड जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नाबालिगों के खिलाफ बलात्कार के 3 मामले दर्ज किए गए। इस मामले में वलसाड जिला पुलिस की एक टीम ने गहन जांच की और आरोपियों के खिलाफ सबूत एकत्र किए। साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को सख्त सजा दिलाने तथा नाबालिग पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए अल्प समय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया। अदालत में प्रस्तुत सभी साक्ष्य आरोपी को दोषी साबित करने के लिए पर्याप्त थे। सरकारी वकील अनिल त्रिपाठी की प्रभावी दलीलों के साथ तीनों मामलों की सुनवाई वापी स्थित पोक्सो एक्ट की विशेष अदालत में हुई। इसके आधार पर वापी की पोक्सो अदालत के न्यायाधीश टीवी आहूजा ने

तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। धुलेटी त्यौहार के दिन 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म की घटना सामने आई। लड़की खेलने के लिए दालान में गई थी, जहां टोपी पहने एक अज्ञात व्यक्ति ने उसका मुंह बंद कर दिया, उसे पीछे के कमरे में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। बच्ची रोती हुई घर आई और उसके कपड़ों पर खून के धब्बे पाए गए। पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने परिवार को दी, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। वापी के डुंगरी थाना क्षेत्र में 11 वर्षीय बालिका के साथ शारीरिक छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया है। असर अली खान उर्फ लंबू चाचा नामक व्यक्ति ने बच्ची को बिस्कुट और चॉकलेट का लालच देकर एक दुकान में ले जाकर उसके साथ अश्लील हरकत की। जब लड़की के परिवार को घटना के बारे में पता चला तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। वलसाड जिले के उमरगाम में 3 साल और 3 महीने की बच्ची के साथ बलात्कार किया गया। वलसाड पुलिस ने इस गंभीर अपराध के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया। फोरेंसिक, मेडिकल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महज 9 दिनों में विशेष पॉक्सो कोर्ट में 470 पन्नों की चार्जशीट पेश की गई। इस मामले में आरोपी को मात्र 6 माह में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। गुजरात के विभिन्न इलाकों से बच्चों के यौन शोषण के गंभीर मामले सामने आ रहे हैं, जो समाज के लिए चिंता का विषय है। पोक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण - पोक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज ये मामले बाल संरक्षण के लिए चुनौतियां हैं। हालांकि, वलसाड पुलिस ने तीनों मामलों में अनुकरणीय कार्य किया है और शीघ्र न्याय दिया है, जबकि अन्य मामलों में जांच जारी है।

FORM IV

1. Place of Publication	: DAMAN
2. Periodicity of its Publication	: WEEKLY
3. Printer's Name	: SANDHYA TUSHAR CHAUHAN
Nationality	: INDIAN
Address	: 15-78-C6-2 KHARIWAD NANI DAMAN, DAMAN 39610
4. Publisher's Name	: SANDHYA TUSHAR CHAUHAN
Nationality	: INDIAN
Address	: 15-78-C6-2 KHARIWAD NANI DAMAN, DAMAN 396210
5. Editor's Name	: MANOJ RAWAL
Nationality	: INDIAN
Address	: E- 603 STAR CITY, NAMDHA VAPI 396191
6. Name and addresses of Individuals who own the newspaper And partners or shareholders holding Owner of publication address	: SANDHYA TUSHAR CHUAHAN : SELF : NA : 15-78-C6-2 KHARIWAD NANI DAMAN, DAMAN 396210

I, SANDHYA TUSHAR CHAUHAN hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Signature of Publisher
Sandhya Chauhan

रात की रौशनी में दमकती महिला शक्ति: SGF वुमेन्स नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट सीजन-4 का जोशीला आगाज़

– कीर्ति चौहान और रजनी शेट्टी बनीं महिला खिलाड़ियों की प्रेरणास्रोत

सिलवासा | डेयर टू शेयर

जिला पंचायत शिक्षण विभाग और दानह भारत स्काउट गाइड फेलोशिप के संयुक्त प्रयास से SGF वुमेन्स नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट सीजन-4 का शानदार उद्घाटन उप समाहर्ता एवं दानह भारत स्काउट गाइड के उपाध्यक्ष श्री अमित कुमार और नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रजनी शेट्टी द्वारा किया गया। इस विशेष अवसर पर उपस्थित माउंट लिट्रा जी स्कूल की अध्यक्ष कीर्ति चौहान और रजनी शेट्टी दोनों ने महिला खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए, नारी सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया। कीर्ति चौहान ने कहा, "इस टूर्नामेंट के ज़रिए बेटियाँ केवल खेल में भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि रात की फ्लडलाइट्स में आत्मविश्वास और नेतृत्व का प्रतीक बन रही हैं।" वहीं रजनी शेट्टी ने इसे “महिलाओं के लिए खेल और सुरक्षा दोनों के संतुलन की मिसाल” बताया। उन्होंने कहा कि “यह पहल सिलवासा की बेटियों को नई दिशा देने वाली है। महिला खिलाड़ियों को ऐसे मंच से आत्मबल और प्रेरणा मिलती है।” इस दो दिवसीय टूर्नामेंट का आयोजन श्री प्रियांक किशोर (समाहर्ता एवं संरक्षक, दानह भारत स्काउट गाइड) के आदेशानुसार और श्री अरुण गुप्ता (निदेशक, खेल मंत्रालय एवं युवा मामले) के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें कुल 8 महिला फुटबॉल टीमों ने भाग लिया – जिनमें ऑस्कर फाउंडेशन, सीजीपीएस टीम ए व बी, वापी एफसी, ऐंजल एफसी, ग्लोण्डा एफसी और सेंट जेवियर्स एफसी शामिल थीं। उद्घाटन समारोह में विशेष रूप से यास्मीन बाबुल, शर्मिष्ठा देसाई, निमिष पटेल, महेश पटेल, पिंकी खिमनानी की उपस्थिति रही। वहीं जिला पंचायत शिक्षण विभाग के प्राथमिक शिक्षा अधिकारी एवं स्काउट गाइड सचिव जयेश भंडारी द्वारा विजेता एवं उपविजेता ट्रॉफी का अनावरण किया गया। सेमीफाइनल मुकाबलों में पहला मैच ऑस्कर एफसी बनाम सीजीपीएस एफसी और दूसरा सेंट जेवियर्स बनाम वापी एफसी के बीच खेला जाएगा। अंत में, सभी महिला प्रतिभागियों को जिला पंचायत द्वारा स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित करने की घोषणा की गई – यह टूर्नामेंट महिला खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बन गया है।

नरोली गांव में बच्चे की संदिग्ध मौत को लेकर एसआईटी गठन की मांग

सेल्वास | डेयर टू शेयर

दानह के नारोली गांव के काकड़ फलिया में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत 9 वर्षीय भाविक पटेल के परिजनों ने कलेक्टर को एसआईटी गठित कर अवैध रेत माफिया के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने की मांग को लेकर प्रार्थना पत्र दिया था। 1 अप्रैल की शाम को नरोली काकड़ फलिया निवासी 9 वर्षीय भाविक पटेल अचानक लापता हो गया था। उसी रात 12 बजे उनका शव अवैध रूप से संग्रहित रेत के ढेर में पाया गया। कानून की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। इस घटना की निष्पक्ष एवं शीघ्र जांच के लिए माननीय न्यायालय की निगरानी में एसआईटी का गठन किया जाना चाहिए। मृतक बालक के परिजनों एवं ग्रामीणों ने मांग की है कि अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज विकास अधिनियम 1957 एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की जाए। मृतक बालक के परिजनों एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर को लिखित एवं मौखिक रूप से ज्ञापन देकर मजिस्ट्रियल जांच की मांग की है।

भीषण गर्मी के बीच सातमालिया डियर पार्क में वन्य जीवों के लिए तालाब और भोजन की सुविधा

सेल्वास | डेयर टू शेयर

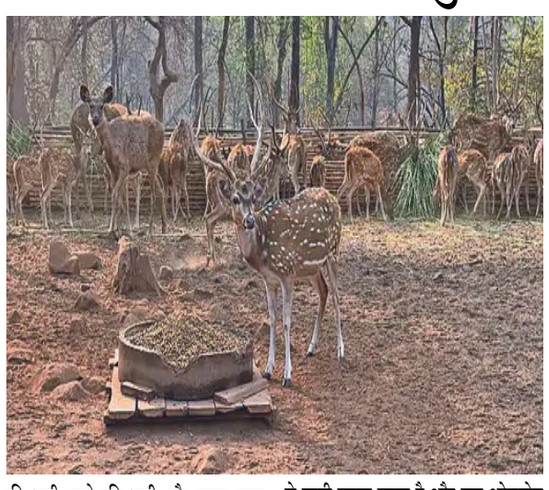

दानह के दापाड़ा गांव स्थित सातमालिया हिरण पार्क पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनता जा रहा है। पड़ोसी राज्यों गुजरात और महाराष्ट्र से एक लाख से अधिक पर्यटक यहां आते हैं। 410 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस अभयारण्य में नीलगाय, चौसिंगा, कृपाण और चीतल जैसी 534 से अधिक वन्यजीव प्रजातियां प्रकृति की गोद में आनंद लेती और चहचहाती रहती हैं। दानह वन विभाग ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्राकृतिक और मानव निर्मित व्यवस्थाएं की हैं कि यहां रहने वाले वन्यजीवों को पूरे वर्ष भोजन और पानी की निर्बाध उपलब्धता बनी रहे। शरद ऋतु और ग्रीष्म ऋतु की भीषण गर्मी के दौरान भी इन वन्यजीवों को भोजन और पानी मिलता रहे तथा उनका स्वास्थ्य भी बना रहे, इसके लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। गर्मियों के दिनों में, वन्यजीवों को भोजन के लिए सुबह-सुबह एकत्र किया जाता है, जहां उन्हें हरा चारा, केतली चारा, ज्वार-बाजरा की भूसी, गन्ने की भूसी और सूखा चारा दिया जाता है। अभयारण्य में पीने के पानी के लिए एक प्राकृतिक झील, चेक डैम और कृत्रिम झील भी है। गर्मियों के दौरान झील में पर्याप्त पानी सुनिश्चित करने के लिए, कुओं और नदियों से पाइपलाइन के माध्यम से पानी लाया जाता है और एक ओवरहेड टैंक के माध्यम से लगातार झील में डाला जाता है। इस पानी से वन्य जीव अपनी प्यास बुझाते हैं तथा झील में पानी रहने से आसपास के बड़े पेड़ हरे-भरे रहते हैं, जिससे प्राकृतिक छाया भी मिलती है।

वलसाड में कल के मुकाबले औसत तापमान में 3 डिग्री की गिरावट

वलसाड | डेयर टू शेयर

वलसाड जिले के छह तालुकाओं में गर्मी कुछ कम हो गई है। कल की तुलना में तापमान में औसतन 3 डिग्री की कमी आई है। जिले में सबसे अधिक तापमान 38 डिग्री धरमपुर तालुका में दर्ज किया गया। कपराडा में अधिकतम तापमान 37 डिग्री, वापी में 36 डिग्री, वलसाड और पारडी में 35 डिग्री और उमरगाम में सबसे कम तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान की बात करें तो कपराडा में 22 डिग्री, धरमपुर में 24 डिग्री, जबकि वलसाड, पारडी, उमरगाम और वापी में 25 डिग्री दर्ज किया गया। वलसाड तालुका तट के करीब है, जो गर्मी से राहत प्रदान करता है। प्रशासन ने नागरिकों को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की हिदायत दी है। लोगों से सूती कपड़े पहनने और अधिक पानी का उपयोग करने को कहा गया है। ठंडा पानी, छाछ, नींबू पानी, लस्सी और ओआरएस पानी का भरपूर सेवन करने की सलाह दी जाती है। पशुपालकों से मूक पशु-पक्षियों के लिए पानी व छाया की व्यवस्था करने की अपील की गई है। आज इस मौसम का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा।

उमरसाडी झील में नहाने गए एक युवक की डूबकर मौत हो गई।

पारडी | डेयर टू शेयर

पारडी तालुका में एक युवक के झील में डूबने की एक और घटना सामने आई है। एक 43 वर्षीय युवक की मृत्यु हो गई है। पारडी के उमरसाडी गांव के देसाईवाड़ पटेल फलिया निवासी सुनील छनियाभाई हलपति बुधवार सुबह गांव के ओगणिया तालाब में नहाने गया था, जहां वह गहरे पानी में डूबने लगा। उसे डूबता देख क्षेत्र के कुछ ग्रामीण उसे बचाने के लिए पानी में कूद पड़े और सुनील को बाहर निकाला तथा 108 एंबुलेंस को फोन किया, लेकिन मौके पर पहुंची 108 टीम ने सुनील की जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पारडी पुलिस थाने को दी गई और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया, पारडी रेफरल अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया, प्राथमिकी दर्ज की और जांच शुरू की। उल्लेखनीय है कि 7 अप्रैल को पारडी तालुका के रबडी गांव में एक किशोर की डूबने से मौत हो गई थी, वहीं 9 अप्रैल को उमरसाडी गांव में भी डूबने की घटना चिंता का विषय बन गई है।

सिलवासा में फ्रेंड्स एंड फिटनेस ग्रुप की सराहनीय पहल

सिलवासा | डेयर टू शेयर

रामनवमी के पावन अवसर पर सिलवासा स्थित फ्रेंड्स एंड फिटनेस ग्रुप ने एक अनोखी पहल की। इस समूह ने हजारों की संख्या में आए भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए ठंडा पानी, कोल्डड्रिंक्स, बिस्किट और अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया।

सेवा भाव की मिसाल

फ्रेंड्स एंड फिटनेस ग्रुप की इस पहल को स्थानीय लोगों ने बहुत सराहा। समूह के सदस्यों ने अपनी सेवाएं देकर भक्तों को राहत पहुंचाई। ठंडे पानी और अन्य सामग्री के वितरण से भक्तों को गर्मी से राहत मिली।

आनंद महिंद्रा ने भी मियावाकी पद्धति की प्रशंसा की।

वलसाड | डेयर टू शेयर

डॉ., जिन्होंने पूरे भारत में मियावाकी पद्धति का उपयोग करके लगभग 120 वन तैयार किए हैं। राधाकृष्ण नायर, गुजरात के भुज में भजिया डूंगर पर दुनिया का सबसे बड़ा मियावाकी जंगल और वलसाड जिले के उमरगाम तालुका के नारगोल गांव में मालवन समुद्र तट पर मियावाकी जंगल, समुद्र तट से सटे सबसे बड़े जंगल हैं। देश और दुनिया के जाने-माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने जंगल और वन संपदा का सृजन किया है। डॉ. नायर की प्रशंसा की गई है। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने बुधवार, 9 अप्रैल को भारत में एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय उपलब्धि पर प्रकाश डाला, तथा गुजरात के कच्छ में मियावाकी वन के पैमाने पर आश्चर्य व्यक्त किया। वनरोपण की मियावाकी पद्धति से परिचित होने के बावजूद, इस व्यवसायी ने बताया कि वह इस दृष्टिकोण को लागू करने में डॉ. आर. के. नायर की प्रमुख भूमिका से अनभिज्ञ थे। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने कच्छ में पुनर्जीवित वन का एक वीडियो साझा किया, जो दुनिया का सबसे बड़ा मियावाकी वन है। आनंद महिंद्रा ने लिखा, "मुझे पता था कि मियावाकी वन क्या है, लेकिन मुझे डॉ. नायर के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और न ही यह कि उन्होंने भारत में दुनिया का सबसे बड़ा ऐसा वन कैसे बनाया।"

कंटेनर यार्ड से. 6.99 लाख की शराब जब्त

वापी | डेयर टू शेयर

एलसीबी वाहन गश्त के दौरान, एक संदिग्ध कंटेनर को रोकने का प्रयास करते समय चालक वाहन छोड़कर भाग गया। रु. भूमिगत भंडारण कक्ष से अंदर से पाइप की आड़ लेकर 100,000 रुपये की चोरी कर ली गई। 6.99 लाख रुपये की शराब बरामद होने पर आगे की कार्रवाई की गई है। मंगलवार रात को जिला एलसीबी की टीम गश्त के दौरान मोटी ताम्बरी देसाई फलिया स्थित पानी की टंकी के पास पहुंची और सेलवास की ओर से टाटा कंटेनर लेकर आ रहे चालक को रुकने का इशारा किया। चालक ने वाहन को कुछ दूरी पर खड़ा किया और वहां से भाग गया। अंदर जाकर उन्होंने शराब की भट्टी से शराब और बीयर की जांच की। रु. 6,99,600 एवं पुट्ठा पाइप नं.-536 किमी. रु. 3,80,626 एवं कंटेनर की कीमत रु. रु. 10 लाख गुना कुल रु. 20,80,226 रुपये की संपत्ति जब्त कर ली गई है।

अधूरे काम 3 साल बाद भी पूरे न होने से व्यापारी हुए परेशान, जमा राशि का 10 प्रतिशत भी नहीं लौटाया

वलसाड | डेयर टू शेयर

वलसाड मनपा प्रशासक के शासनकाल में जब 3 वर्ष पूर्व मनपा द्वारा नवनिर्मित शॉपिंग मॉल की दुकानों की नीलामी की गई थी, तब 12 व्यापारियों ने मौके पर ही 10 प्रतिशत जमा राशि देकर मॉल के अधूरे कार्य को पूरा करने की शर्त रखी थी। बहरहाल, प्रशासकों की निष्क्रियता के कारण शहर के मध्य बने 2 करोड़ के शॉपिंग मॉल में ग्राउंड फ्लोर पर टूटी खिड़कियों और नाले-नालियों सहित अन्य समस्याओं के समाधान का आश्वासन खोखला साबित हुआ है और दुकानदार नीलामी से अपनी जमा राशि वापस लेने के मूड में आ गए हैं। वलसाड नगरपालिका ने नागरिकों को सड़क, पानी, सफाई, स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा आय का स्रोत बढ़ाने के लिए नगरपालिका कार्यालय के सामने 2.50 करोड़ रुपए की लागत से भव्य शॉपिंग मॉल का निर्माण कराया था। लेकिन हॉल बड़ा होने के कारण खरीदार आगे नहीं आए, इसलिए अंततः छोटी-छोटी इकाइयां बनाकर दुकानें स्थापित की गईं। तीन साल पहले हुई 12 दुकानों की नीलामी में व्यापारियों को कुल जमा राशि का 10 प्रतिशत पहले देना था। शेष राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर नगर पालिका ने वलसाड के इन व्यापारियों को पूरी जमा राशि जमा करने का नोटिस दिया है, जिसका व्यापारियों ने विरोध किया है। उन्होंने मॉल में टूटी खिड़कियों और दरवाजों तथा जल निकासी और पार्किंग की असुविधाओं का समाधान हो जाने के बाद धनराशि देने की इच्छा व्यक्त की थी। लेकिन तीन साल बीत जाने के बावजूद व्यापारियों ने मॉल की मरम्मत के लिए कोई कार्रवाई नहीं की और अब केवल 10 प्रतिशत जमा राशि वापस करने की मांग कर रहे हैं। दावा है कि दुकानें उपयोग योग्य नहीं हैं। शॉपिंग मॉल में दुकानों का 10 प्रतिशत जमा करवाने के मुद्दे को लेकर 26 मार्च 2025 को आयोजित बैठक में व्यापारियों ने कहा कि इस मॉल की दुकानों व कार्यालयों में बेसमेंट में जलभराव, गंदगी, खिड़कियों में टूटे शीशे, दीवारों में कुछ स्थानों पर प्लास्टर व बिजली कनेक्शन सहित अन्य समस्याएं हैं, जिनका न तो उपयोग हुआ है और न ही इनका उपयोग हो रहा है। चूंकि कई कार्य तीन वर्ष बाद भी पूरे नहीं हुए हैं, इसलिए व्यापारियों ने 10 प्रतिशत जमा राशि वापस करने की मांग की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : संध्या चौहान द्वारा 15, 78, सी-6-2, खारीवाड़ नानी दमण (दमण-दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152-153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित।
संपादक : मनोज रावल, मोबाईल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।